

रा०से०यो०इकाई, डी०एस०बी०पारिसर नैनीताल


कार्य-विवरण 2015-2020

वर्ष	कार्यक्रम	स्थान	अभ्युक्ति
	सत्र 2015-2016		
1.04.2015	रक्तदान शिविर	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
22.04.2015	पृथ्वी दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
5.06.2015	पर्यावरण दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
24.9.2015	रा०से०यो०दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
1.12.2015	विश्व एडस दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
	सात दिवसीय विशेष शिविर		
	सत्र 2016-2017		
04.04.2016	रक्तदान शिविर	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
22.04.2016	पृथ्वी दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
5.06.2016	पर्यावरण दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
24.9.2016	रा०से०यो०दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
1.12.2016	विश्व एडस दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
	सात दिवसीय विशेष शिविर		
	सत्र 2017-2018		
08.04.2017	रक्तदान शिविर	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
22.04.2017	पृथ्वी दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
5.06.2017	पर्यावरण दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
24.9.2017	रा०से०यो०दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
1.12.2017	विश्व एडस दिवस	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
19.11.2017	एक दिवसीय स्वच्छता शिविर	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	
26.11.2017	एक दिवसीय शिविर, वृक्षारोपण	डी०एस०बी०पारिसर, नैनीताल	


1.12.2017	एक दिवसीय शिविर एडस जागरूकता	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
11.03.2018	एक दिवसीय स्वच्छता शिविर	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
12.03.2018से 18.03.2018	सात दिवसीय विशेष शिविर	राजकीय इंटर कालेज, खुर्पाताल, नैनीताल ।	
	सत्र 2018-2019		
8.05.2018	रक्तदान शिविर	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
22.04.2018	पृथ्वी दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
5.06.2018	पर्यावरण दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
24.9.2018	रा0से0यो0दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
1.12.2018	विश्व एडस दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
	सात दिवसीय विशेष शिविर		
	सत्र 2019-2020		
17.04.2019	रक्तदान शिविर	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
22.04.2019	पृथ्वी दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
5.06.2019	पर्यावरण दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
24.9.2019	रा0से0यो0दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
1.12.2019	विश्व एडस दिवस	डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल	
	सात दिवसीय विशेष शिविर		

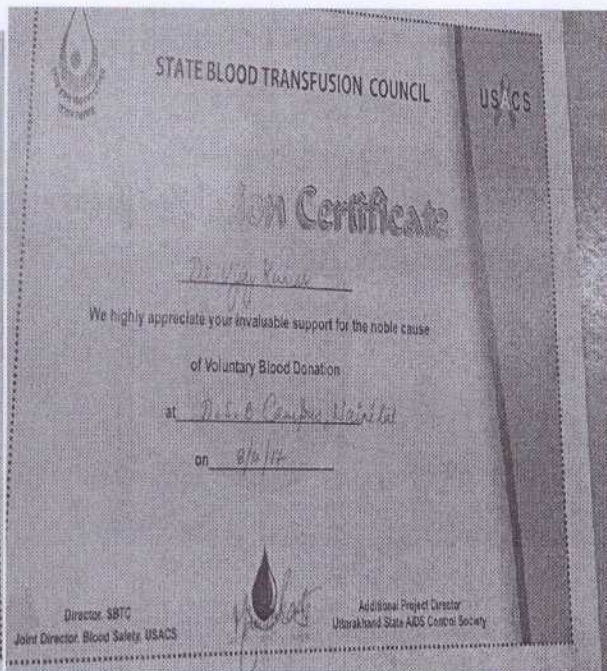
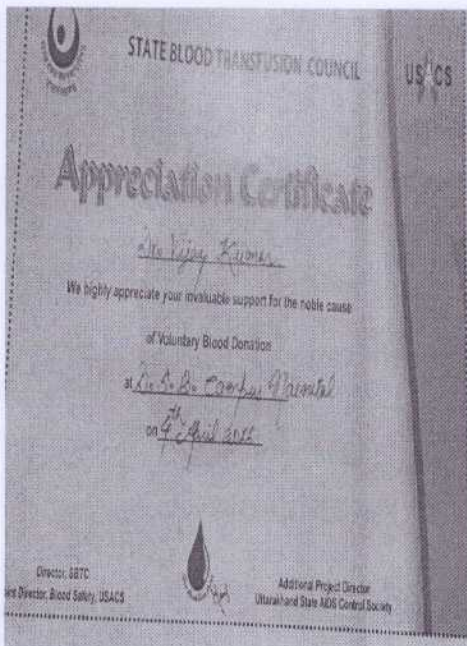
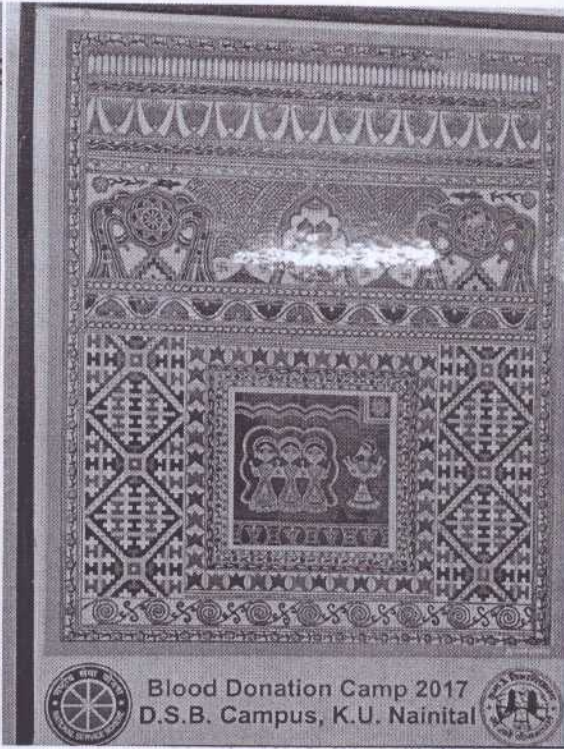
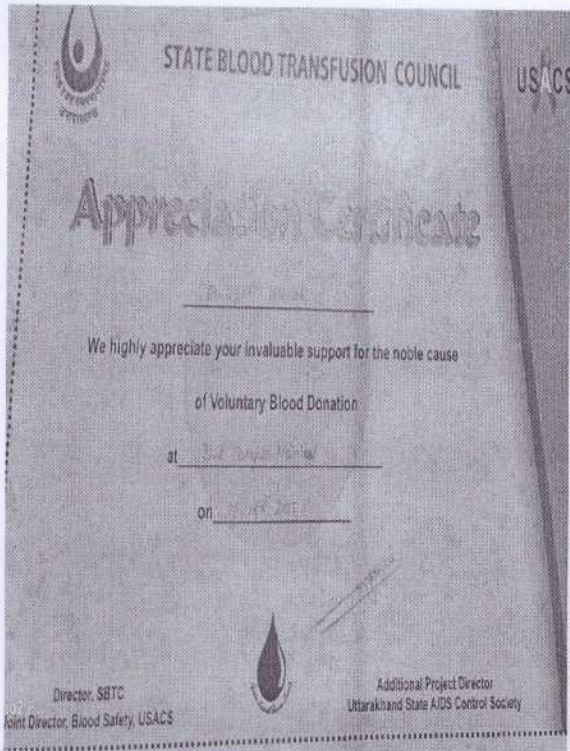
### रक्त दान शिविर वर्ष

डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसके कुछ छायाचित्र निम्न प्रकार हैं-

  
 Registrar,  
**Kumaon University**  
**NAINITAL**



  
Registrar  
Kumaon University  
NAINITAL



  
Registrar,  
Kumaon University  
NAINITAL

राज्य रक्त संचरण परिषद  
राज्य एड्स नियंत्रण समिति, स्वास्थ्य सेवा महाविभाग  
रेकॉर्ड्स भवन, डांडा लखीमपुर, सहरनगर रोड, नैनीताल

## स्वैच्छिक रक्तदान सम्मान पत्र

### रक्तदान-जीवनदान-महादान

संख्या,  
श्री/श्रीमती/शु. **Dr. Vijay Kumar**  
**Nss Camp, D.S.B. Campus**  
**Nainital**

भारतीय संस्कृति में निराला ही जीवन अमूल्य है।  
मानव शरीर को सर्वश्रेष्ठ कृति है।  
मूलनकर्ता स्वयं इस रूप को कारण करने में योग्य अनुभव करते हैं।  
आपकी जीवन-शैली-समृद्धि-आनंद का एक पुत्र बने।  
आपका भावी जीवन स्वस्थ-शिवम-सुखम की अनुभूति का ही परिणाम ही एक स्वस्थ  
मानव के कल्याण के लिए समर्पित हो। यही जीवन की धन्यता है। आपकी सेवा  
रक्तदान के क्षेत्र में इस सेवा कार्य के लिए आपको सम्मानित कर हमें अतिरिक्त ही रहा है।  
आज के आपकी रक्तदान की भावना को सम्मानित करने हुए समाज व राष्ट्र आपके लक्ष्य आभारी रहेंगे।  
आप कर्णायु हो। आपका जीवन सुदीर्घ यश एवं कीर्ति का अमर कलश हो।

**यही हमारी शुभकामना है।**

2018

निदेशक रक्त सुरक्षा, निदेशक, एस.बी.टी.सी.  
एड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी/  
मुख्य चिकित्सा अधिकारी

राज्य रक्त संचरण परिषद  
राज्य एड्स नियंत्रण समिति, स्वास्थ्य सेवा महाविभाग  
रेकॉर्ड्स भवन, डांडा लखीमपुर, सहरनगर रोड, नैनीताल

## स्वैच्छिक रक्तदान सम्मान पत्र

### रक्तदान-जीवनदान-महादान

संख्या,  
श्री/श्रीमती/शु. **Dr. Vijay Kumar**  
**NITL**

भारतीय संस्कृति में निराला ही जीवन अमूल्य है।  
मानव शरीर की सर्वश्रेष्ठ कृति है।  
मूलनकर्ता स्वयं इस रूप को कारण करने में योग्य अनुभव करते हैं।  
आपकी जीवन-शैली-समृद्धि-आनंद का एक पुत्र बने।  
आपका भावी जीवन स्वस्थ-शिवम-सुखम की अनुभूति का ही परिणाम ही एक स्वस्थ  
मानव के कल्याण के लिए समर्पित हो। यही जीवन की धन्यता है। आपकी सेवा  
रक्तदान के क्षेत्र में इस सेवा कार्य के लिए आपको सम्मानित कर हमें अतिरिक्त ही रहा है।  
आज के आपकी रक्तदान की भावना को सम्मानित करने हुए समाज व राष्ट्र आपके लक्ष्य आभारी रहेंगे।  
आप कर्णायु हो। आपका जीवन सुदीर्घ यश एवं कीर्ति का अमर कलश हो।

**यही हमारी शुभकामना है।**

दिनांक: 13.4.19

संयुक्त निदेशक रक्त सुरक्षा, निदेशक, एस.बी.टी.सी.  
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी/  
मुख्य चिकित्सा अधिकारी

**Registrar**  
**Kumaon University**  
**NAINITAL**

# डीएसबी में रक्तदान शिविर एक को

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में एक अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। विवि के मंडलीय एनएसएस समन्वयक प्रो.ललित तिवारी ने बताया कि शिविर भौतिकी विज्ञान सभागार में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो.होशियार सिंह धामी करेंगे। शिविर में डा.एस उन्नीयाल भी भाग लेंगे।

# नैनीताल में परेड के लिए चयन

## गणतंत्र दिवस परेड

नैनीताल | हमारे संवाददाता

26 जनवरी को दिल्ली में होने वाली परेड में प्रतिभाग के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों की प्री आरडी परेड का आयोजन किया गया। जिसमें कुमाऊं के विभिन्न इंटर कालेज व महाविद्यालयों के कैडेटों ने हिस्सा लिया। गढ़वाल मंडल में चयन प्रक्रिया 8 अक्टूबर को संपन्न की जाएगी। कुमाऊं व गढ़वाल मंडल से चयनित 12 अभ्यर्थी उत्तराखंड राज्य की ओर से 29 से 7 नवंबर तक रांची झारखंड में आयोजित होने वाले शिविर में हिस्सा लेंगे।

सोमवार को डीएसए मैदान में आयोजित चयन प्रक्रिया में 22 कैडेटों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में शामिल सभी प्रतिभागियों की सूची को अंतिम निर्णय के लिए देहरादून भेज दिया गया



नैनीताल में सोमवार को डीएसए मैदान में प्री आरडी परेड के लिए चयन प्रक्रिया हुई।

है। रांची में होने वाले शिविर में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे।

शिविर में शामिल 200 बच्चों में से चयनित कैडेट 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में होने वाली परेड में

शामिल होंगे। डीएसबी परिसर के ले. एचसीएस बिष्ट ने परेड व अन्य मानकों के आधार पर स्वयंसेवकों का चयन किया। चयन प्रक्रिया में राज्य संपर्क अधिकारी ललित जोशी, लखनऊ से पहुंचे क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अयोध्या प्रसाद शामिल थे।

### 21 एनएसएस स्वयंसेवक प्री-पीआरडी कैम्प को चयनित

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में सोमवार को आयोजित चयन प्रक्रिया में 22 कैडेटों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में शामिल सभी प्रतिभागियों की सूची को अंतिम निर्णय के लिए देहरादून भेज दिया गया।

सोमवार को डीएसए मैदान में आयोजित चयन प्रक्रिया में 22 कैडेटों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में शामिल सभी प्रतिभागियों की सूची को अंतिम निर्णय के लिए देहरादून भेज दिया गया।

सोमवार को डीएसए मैदान में आयोजित चयन प्रक्रिया में 22 कैडेटों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में शामिल सभी प्रतिभागियों की सूची को अंतिम निर्णय के लिए देहरादून भेज दिया गया।

*(Handwritten signature)*

Registrar,  
Kumaon University  
NAINITAL.

# साइबर सिक्धारियों के बारे में सोचें युवा



डेविडाल  
अनुसूचित  
ग्राम विकास  
प्रकारिक  
निकाल  
के कान  
के लिए  
के लिए  
के लिए  
के लिए  
के लिए  
के लिए  
के लिए

## मैनीताल में सुरक्षा का मुक्त दिवस पर डोरसेबी परिसर में विकास स्कूलों का आयोजन

मैनीताल में सुरक्षा का मुक्त दिवस पर डोरसेबी परिसर में विकास स्कूलों का आयोजन किया गया। सुरक्षा के कलाकृतियों, गेमों, एड्स पर जागरूकता कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सुरक्षा का मुक्त दिवस कार्यक्रमों में शामिल होकर छात्रों को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने में मदद मिलती है। यह कार्यक्रम छात्रों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करता है।

सुरक्षा का मुक्त दिवस कार्यक्रमों में शामिल होकर छात्रों को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने में मदद मिलती है। यह कार्यक्रम छात्रों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करता है।

15 August 2015, Nainital  
सेंट जोजफ का फाइनल में प्रवेश

## 90 दिन में नियमित रक्तदान किया जाना जरूरी

मैनीताल (एसएमबी)। हर स्वस्थ व योग्य व्यक्ति को कभी-कभार ही नहीं, बल्कि हर 90 दिन में नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। साथ ही स्वयं को बेहतर जल्दी होने पर ही किसी दूसरे का रक्त चढ़ाना चाहिए, क्योंकि पुरे जखों के बाद भी जो रक्त चढ़ाना जाता है, वह सुरक्षित नहीं होता है। सुरक्षित रक्त चढ़ाने के लिए संभव होने पर अपना ही रक्त अथवा हर 90 दिन में नियमित रूप से रक्तदान करके ही रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं का रक्त ही चढ़ाना चाहिए।

उत्तराखण्ड रक्त संभरण परिषद के राज्य सचिव अशोक सिंघवा डी. आनंद सिंह उनियाल ने बताया कि देश-भर में अब तक 90 दिन में पुराने पांच बीमारियों- एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, मलेरिया तथा गुण्ड रोग संवेधी सिफलिस के डेटन्ट हो उल्लंघन हैं। दूसरी ओर हमारे रक्त में मीज्ड लाल रक्त कणिकाओं (आरबीसी) की मात्रा 120 दिन की हो जाती है। यानी हर 120 दिन में हमारे शरीर को आरबीसी भरनी जाती है और नया रक्त भी साथ-साथ बनना पलट जाता है। इसलिए हर व्यक्ति को 90 दिन में रक्तदान की सलाह दी जाती है।

हर रक्तदान के दौरान रक्त की उपरोक्त पांच बीमारियों के लिए आवश्यक रूप से जांच होती है, इसलिए पहली बार किसी व्यक्ति द्वारा

दिए जाने वाले रक्त से उसकी रक्तबीमारियों की पहचान कई बार नहीं हो पाती है, लेकिन नियमित रूप से हर 90 दिन में रक्तदान करती जाने से उस व्यक्ति के इन बीमारियों से रक्षा होने की संभावना बढ़ जाती है।

डा. उनियाल बताते हैं कि रक्तदाता सामान्यतः पांच तरह के होते हैं। पहले, व्यवसायिक तौर पर रक्तदान जो कि 1999 से प्रतिबन्धित है। इनसे रक्त लेना खतरनाक है। दूसरे रोग के परिजन, जो अपनी बीमारियों को छुआकर भी रक्तदान करते हैं, यह भी सुरक्षित नहीं, क्योंकि उनकी बीमारियां भी रक्त के जरिए रोगी में जा सकती हैं। तीसरे, अनियमित रूप से रक्तदान करने वाले भी रक्तदान करने वाले नहीं हो पाते। इसलिए, अनियमित रूप से रक्तदान करने वाले भी रक्तदान करने वाले नहीं हो पाते।

रक्त में 90 दिन पूर्व से हो रही केवल पांच बीमारियों की जांच है संभव

स्वयं का अथवा नियमित रक्तदान करने वालों से रक्त लेना सर्वाधिक सुरक्षित

स्वीचिक रक्तदाता। ऐसे रक्तदाताओं के रक्त में भी कई बार बीमारियों का रक्त चढ़ाने वाले के शरीर में जा सकती है। चौथे स्वयं रक्तदाता। ऐसे रक्तदाता कई बार अपने एक प्राइमर ब्रादर होने के कारण भी रक्तदान करने वाले के शरीर में जा सकती है। यह तरीका रक्त लेने का सबसे सुरक्षित है, लेकिन बहुत बुरा ऐसा करना संभव नहीं होता है। इसके अलावा जो नियमित स्वीचिक रक्तदाताओं वाले पांचवे तरीके का सर्वाधिक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, इस वर्ष के रक्तदाताओं के रक्त की जांच-खांच जांच होती रहती है। उनका रक्त ताजा व रोग रहित होता है।

### रक्त लेने में खतरा रक्त देने में लाभ

मैनीताल। किसी अन्य का रक्त लेने में भले अनेक खतरा हो, लेकिन 18 से 65 वर्ष के लोगों द्वारा रक्तदान किए जाने के अनेक लाभ हैं। हर 90 दिन के नियमित अंतराल में रक्तदान करने से व्यक्ति की गुप्त में नियमित जांच हो जाती है तथा कोई रोग होने पर जल्द पता लग जाता है। रक्तदान करने के लिए नुकसानदेह नहीं होता। रक्तदान के बाद शरीर को निर्धारित सर्वसंग हो जाती है। इससे शरीर में नया रक्त बनता है।

### डा. उनियाल ने 69वीं बार किया रक्तदान

मैनीताल। डा. उनियाल ने सुधवार को डोरसेबी परिसर में 69वां बार स्वीचिक रक्तदान किया। यह वर्ष 2000 से हर 90 दिन में स्वीचिक रक्तदान कर रहे हैं और प्रदेश के हर रक्त बैंक में रक्तदान कर चुके हैं। साथ ही करीब 5000 कैंप लगाकर करीब 2.45 लाख लोगों से स्वीचिक रक्तदान करा चुके हैं। इनमें से करीब 200 लोग भी अब हर 90 दिन में स्वीचिक रक्तदान करते हैं। स्वीचिक रक्तदान मेला लगाकर एक दिन में 2500 लोगों से भी रक्तदान करा चुके हैं।

राष्ट्रीय सलाह 2 अक्टूबर 2015

Registrar  
Kumaon University  
NAINITAL

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर डीएसी में बोले विधायक जीतराम

# राष्ट्र शक्ति है युवा शक्ति

आर्य समाज

विधायक जीतराम जी ने युवा दिवस पर डीएसी में बोले कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है। युवाओं को शिक्षित और संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। युवाओं को अपने देश की सेवा में आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं को अपने देश की शक्ति बनाने के लिए शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। युवाओं को अपने देश की शक्ति बनाने के लिए शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है।



विधायक जीतराम जी ने युवा दिवस पर डीएसी में बोले कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है। युवाओं को शिक्षित और संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। युवाओं को अपने देश की सेवा में आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं को अपने देश की शक्ति बनाने के लिए शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है।

**एनएसयूआई ने बनाई दरियां**  
 एनएसयूआई ने युवा शक्ति को बढ़ावा देने के लिए 'दरिया' नाम का कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत युवाओं को अपने देश की सेवा में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। युवाओं को अपने देश की शक्ति बनाने के लिए शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है।

## कुविवि के एनएसएस समन्वयक दून में सम्मानित

नैनीताल।  
 राज्यपाल डॉ. केके पाल ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. ललित तिवारी को सम्मानित किया। देहरादून राजभवन में आयोजित



कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल रामनगर डिग्री कॉलेज के छात्र अक्षय कांबोज को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया। विवि के डीएसबी कैंपस में वनस्पति विज्ञान के प्रो. तिवारी को स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, रक्तदान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के लिए सम्मान मिला। निदेशक युवा कल्याण डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रशांत सिंह, आनेश पराशर, संदीप, आरती अग्रवाल ने उन्हें बधाई दी। ब्यूरो

आर्य समाज 21/3/2015

13 August 2015

युवा दिवस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर डीएसबी में गोष्ठी का आयोजन

# युवा देश की प्रगति के पथ प्रदर्शक

नेनीताल  
 उत्तरांचल दीप ब्यूरो  
 अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर

के लिए बदलाव लाने की आवश्यकता है जिसकी शुरुआत हमें अपने से ही

समाज में बदलाव लाने की शुरुआत

Registrar,  
 Cmsun University  
 NAINITAL





कुमाऊं विवि के कार्यक्रम समन्वयक को राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

## कुमाऊं विवि के डॉ. तिवारी सम्मानित

नैनीताल। राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुमाऊं विवि नैनीताल के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ललित तिवारी को राज्यपाल डॉ. केके पॉल ने सम्मानित किया है। डॉ. पॉल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. तिवारी को रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के कार्यों को बढ़ावा दिए जाने पर पुरस्कृत किया गया है। बता दें कि उन्हें गत वर्ष उत्तराखंड रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल डॉ. पॉल को आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

6/3/2017 18:30

## उत्कृष्ट कार्यों के लिए तिवारी सम्मानित

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के एनएनएस समन्वयक प्रो. ललित तिवारी को एनएसएस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान देहरादून राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. केके पॉल ने दिया। प्रो. तिवारी को यह सम्मान रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान आदि कार्यों को बढ़ावा देने के लिए दिया गया। बता दें कि तिवारी को बीते वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उत्तराखंड रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था। तिवारी को सम्मान मिलने पर कुमाऊं विवि परिवार ने खुशी जाहिर की है। ब्यूरो

6/3/2017 20:00 3411

## आग के बाद आबादी की ओर आएंगे वन्य जीव

### अलर्ट जारी

हल्द्वानी | कार्यालय संवाददाता

जंगल की आग से चबराए जंगली जानवर अब मानव आबादी की ओर रुख कर सकते हैं। इस खतरे को देखते हुए पूरे कुमाऊं में डल में घन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। हर सर्किल को एक रेस्क्यू वैन व टांकुलाइज सिस्टम उपलब्ध करवा दिया गया है।

साढ़े तीन हजार हेक्टेयर से अधिक जंगल आग से प्रभावित हुए हैं। इसका असर जंगली जानवरों पर भी हुआ है। आग से तबाह हुए जंगलों में घास भी जल गई है। कई तरह के छोटे जानवर, पक्षियों को भी नुकसान पहुंचा है। ऐसे



प्रो. आशीष तिवारी



प्रो. ललित तिवारी

### वर्तमान के नुकसान के साथ ही भविष्य पर खतरा है आग

नैनीताल। जंगल की आग ने वन्य जीव सहित वनस्पति को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, दोबारा वनस्पति को आकार लेने में काफी समय लग सकता है। कुमाऊं विवि के

से इस बार काफल व हिमालय व किल्योडा जैसे वन्य खाद्य उत्पाद पर असर होना स्वाभाविक है। वहीं वीडू के साथ ही भोज जैसी दुर्लभ प्रजाति भी आग की भेंट चढ़ी है जोकि पानी की उपलब्धता

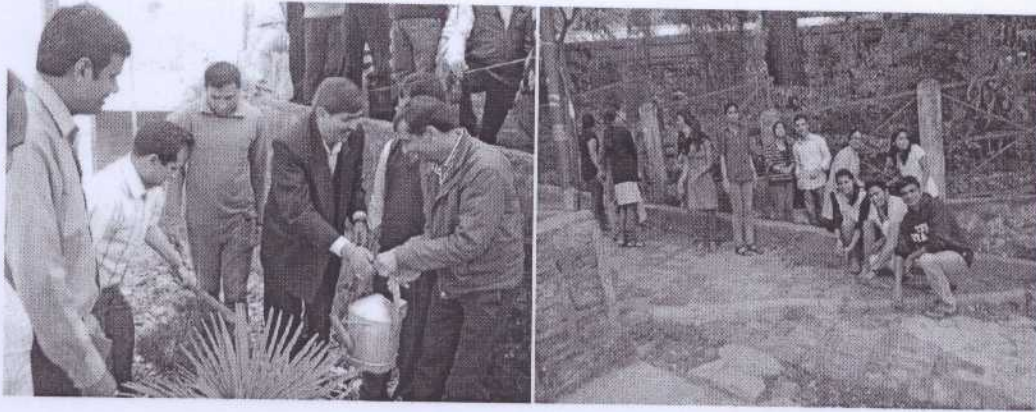
### आग के बाद सड़क पर गिर रहे पेड़

भीमताल। जंगलों की आग से झुलसे हरे पेड़ अब गिरने शुरू हो गए हैं। अचानक गिर रहे पेड़ों से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है। साथ ही यातायात भी अवरुद्ध हो रहा है। भीमताल ब्लॉक के सातताल के जंगलों में लगी आग से कई हरे पेड़ धराशायी हुए हैं। कई पेड़ सड़कों में गिरे हैं। इससे जाम की स्थिति बन रही है। सातताल स्वच्छता समिति और नाव चालक सघ ने वन विभाग व लॉनिवि से सड़कों में गिरे पेड़ों को जल्द हटाने की मांग की है। समिति अध्यक्ष पुरन चनौतिया ने बताया

Registrar,

Kumaun University  
NAINITAL.

वृक्षारोपण 2017



Registrar,  
Kumaon University  
NAINITAL.



  
Registrar,  
Kumaon University  
NAINITAL



  
**Registrar,  
Kumaun University  
NAINITAL.**

## NAINITAL MEGA CLEAN UP EVENT

Nainital is very well-known beautiful hill station of Uttarakhand, somehow losing its beauty and getting worst day by day due to solid waste or garbage strewn around the Naini Lake and other tourist spots. Proper management of waste is crucial for building sustainable and liveable cities, but it remains a challenge for many developing countries and cities. A report found that effective waste management is relatively expensive, usually comprising 20%–50% of municipal budgets. This instigated us to initiate a solid waste management campaign in Nainital under the project AMRITAM of NMHS along with the NGO, NPP and local communities. So, we decided to organize a cleanliness week was organized under the title of **NAINITAL MEGA CLEAN UP EVENT** under the AMRITAM project of NMHS and celebrate it as “AZADI KA AMRIT MAHOTSAV” from 12 Sep 2021-18 Sep 2021 to create awareness among native peoples especially youth and tourists about cleanliness. The aim of the Nainital mega clean up event was to eliminate open defecation, eradicate manual scavenging, introduce modern solid waste management and promote a positive attitude towards healthy sanitation practices.

Under this event, we have organized drawing competition and speech competition at different schools to make the students aware about the need to keep the surroundings clean, as the role of schools has been instrumental in realizing the mission of Swachh Bharat. Along with this we have also organized prize distribution program to encourage the participants, nukkar natak, vichar-ghosthi, cleanliness drive, disposable bag, sanitizer, mask, gloves distribution program.

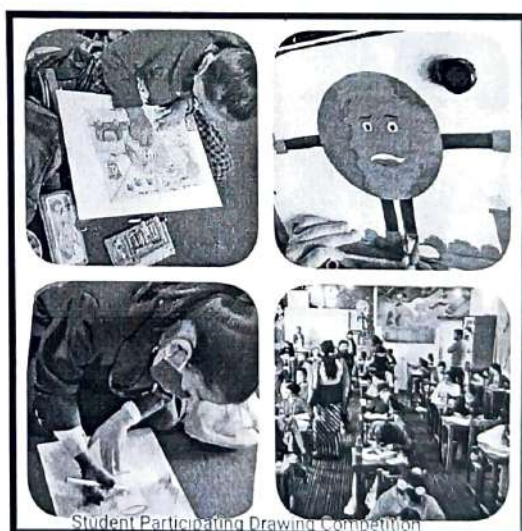
### DRAWING COMPETITION

On the very first day, we conducted drawing competition in which students from various schools (St. Mary College, St. Joseph College, All Saints College, Mohan Lal Sah Balika Vidya Mandir, Mohan Lal Sah Bal Vidya Mandir Senior Secondary Girls School,) were participated. As many as 150 students of the school were participated in the drawing competition. The students were told to draw on the theme of a ‘Clean Up Nainital’. Also, they were made aware about cleanliness and daily solid waste disposal related problems of Nainital city. The main objective behind the competition and theme selection was to promote the students for the concept of clean city and green city and to aware them for adopting the habit of cleaning the surrounding in their daily routine. The overall objective of this competition between students was to spread awareness about necessity of cleaning of surrounding and to



रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०बी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल

convert this one-day cleaning program into daily habit of students of cleaning the surrounding environment. Children participated in the competition with great enthusiasm, which was reflected in the drawing prepared by them. This enthusiasm towards cleaning from the school children motivated the team for upcoming events.



## SPEECH COMPETITION

On the further round of our drive, we had organized a speech competition between students. The main objective behind this event was to observe conveying skill of the students for cleaning the surrounding. It was observed that a good speaker has the ability to convenience the audience for participation in social event, so, in our next round of event we tried to find some good speakers to spread the message of need of cleaning surroundings.

*Dano*

रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०बी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल

The topic selected for the event was to check the observation of student behind social issues, some of topics are, "Yeh Saher Aaj Bimar Sa Kyu Hai", Participation of community in cleaning, waste disposal techniques etc. The enthusiasm of participants encouraged team to convey social message of cleaning. The best speaker of the event was awarded by prize and certification by team to encourage them for the vision of event. At the end of the event, some standard techniques for waste characterization, collection, separation, & disposal as well as major facilities provided by government and local authorities to collect the solid waste were also shared with them. A message for utilization of municipal dustbin installed at different locations like market places, streets, roadside etc. was delivered and segregation of waste by its nature (dry/wet) and their dumping location in the city was also shared with them. This event was needful in the means to avoid the spreading the solid waste in open roads, grounds, parks and lakes so that we can stopped this threatening problems causing the water pollution and other community spreading diseases.

#### VICHAR GOSTHI AND PRIZE DISTRIBUTION

On 14th Sept 2021, Vichar Gosthi and prize distribution have been organized in auditorium of DSB Campus, Kumaun University, Nainital in a very extravagant manner. The Chief Guest of the event was Prof. N. K. Joshi (Vice Chancellor of Kumaun University) and Co-ordinator of the event was Prof. N. G. Sahoo. The other dignitaries present in the program were Prof. A. B. Melkani (Head of the Department of Chemistry, DSB Campus, Kumaun University, Nainital), Mr. Sanjeev Arya (M.L.A Nainital), Mr. Prateek Jain (SDM Nainital), Prof. L. M. Joshi (Director, DSB Campus Kumaun University, Nainital), Prof. A. B. Melkani (Dean Science, DSB Campus Kumaun University, Nainital), Mr. K. C. Chaturvedi (AAO Nainital, DSB Campus Kumaun University, Nainital), Prof. Lalit Tewari, Padam Shri Mr. Anup Shah, Dr. Shekhar Pathak (Environmentalist), Dr. Reetesh Shah (Environmentalist), Mr. Yashpal Rawat (Environmentalist), Mr. Vinod Pandey (Environmentalist), Mr. Rajiv Lochan Shah (Environmentalist), Prof. Sanjay Pant, Mr. Ashok Kumar Verma (EO Nagar Palika Parishad), Dr. Daramsatru (Health Officer Nagar Palika Parishad), Mr. Kuldeep Sanitory (Sanitary Inspector Nagar Palika Parishad), Mr. Hemant Bisht, Mr. Suresh Lal. Chief Guest in his speech spoke about the dedication of the students towards their work and their responsibilities towards the society and nation. Other dignitaries also spoke about waste management and cleanliness of surroundings, how project AMRITAM is working in making wealth from waste. Many ideas for making Nainital green and plastic free were also shared. Then prizes were distributed to students who got selected in painting and speech competition.



रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०वी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल

In this way a big programme on the occasion of “AZADI KA AMRIT MAHOTSAV” was successfully done.



### Cleanliness drive at DSB Campus, Nainital under AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

Clean environment is an indicator of progress of human being and with the motto of clean environment Government of India has initiated ‘Swaccha Bharat Abhiyan’. As part of the Nainital mega clean up event, we organized a cleanliness drive with in and around the campus under the mega clean up event “Azadi ka Amrit Mahotsav”: a campaign initiated by the project Amritam along with NPP on 16th sept 2021 to eliminate open defecation and improve solid waste management”. This drive was inaugurated by Prof. L.M. Joshi (Director, DSB Campus Kumaun University, Nainital), and Prof. A. B. Melkani (Dean Science, DSB Campus Kumaun University, Nainital). He said that Nainital mega clean up event organize

  
रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०बी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल



largest cleanliness drive which aims to make city more sustainable, clean and plastic free. He said that this cleanliness drive is Nainital's largest cleanliness drive which aims to make Nainital more sustainable and eco-friendlier for living.

The process of cleanliness drive was conducted under the able guidance of Prof. N.G. Sahoo who carefully planned and implanted the target based eco-friendly methods and techniques to make the campus green and clean. He addressed the students by saying that it is the responsibility of every citizen to maintain the cleanliness and green areas in their homes and public spaces. In order to keep the campus clean, students and staffs of the Chemistry department are actively involved in various activities like cleaning the campus and its nearby area and creating awareness on waste disposal (degradable and non-degradable). We ensure the cleanliness of, not only the surroundings, but also the classrooms, library, laboratories and auditorium. We also invite locally available eminent speakers to interact with our student volunteers on their current interests.

All the volunteers of PRSNSNT Centre gathered to clean the surroundings of the individual buildings in the campus. NSS and NCC volunteers enthusiastically collected plastic wastes, tea cups, weeds, and dry leaves spread over the surrounding areas.



The volunteers gathered all the waste and trash bags to the place where the university arranged for the removal of collected wastes. The whole cleaning drive was quite inspiring and motivating for the NSS team members. NCC cadets also participated in this drive who carefully


planned and implanted the target based eco-friendly methods and techniques to make the campus green and clean. Registrar of Kumaun University, Nainital Mr. Dinesh Chandra while addressing the students said that it is the responsibility of every citizen to maintain the cleanliness and green areas in their homes and public spaces.

### **Cleanliness drive at Kumaun University**

We have organized a cleanliness drive with in and around the Kumaun University under the waste management scheme of AMRITAM project of NMHS Kosi Katarmal, Almora. The NCC volunteers participated in creating awareness among public, informing them about the importance of cleanliness. The students took the initiative to clean the surroundings of vicinity. Students cleaned the University and raised the slogan 'One step towards cleanliness'. Students are the real ambassadors of cleanliness and motivate others to keep their homes, schools, colleges and surroundings clean.



Honorable Vice Chancellor and Registrar of Kumaun University also participated in cleanliness drive in Kumaun University. Honorable Vice Chancellor told the students that cleanliness is most important for physical well-being and a healthy environment. "It is essential for everyone to learn about cleanliness, hygiene, sanitation and various diseases that are caused due to poor hygienic conditions. Cleanliness ensures a healthy mind and physique, he added.

  
रसमन्त्रि विभाग  
डीएचओपरिसर  
कुमायू विश्वविद्यालय नैनताल

“It is not the responsibility of only one person rather it is the duty of every citizen,” he added. The Registrar said: “We can maintain cleanliness at home by emptying the trash bin regularly, dust walls and ceilings periodically, wipe rest room floor to keep it dry and bacteria-free.” He also told the students not to litter on the roads and go for clean and green environment to nurture it for the future generations. The staff and students thanked the Honourable Vice Chancellor and Registrar of Kumaun University, Nainital and promised to abide by their advice.

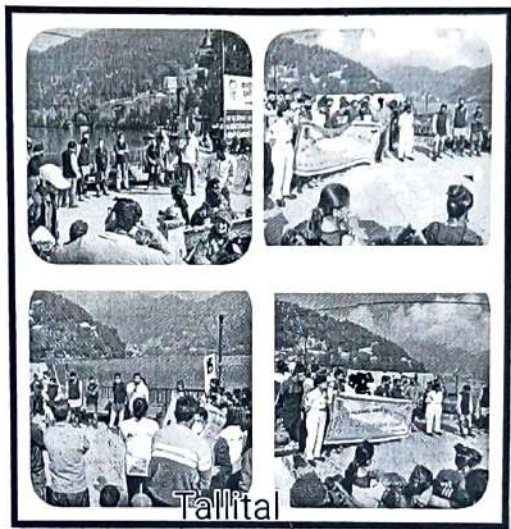
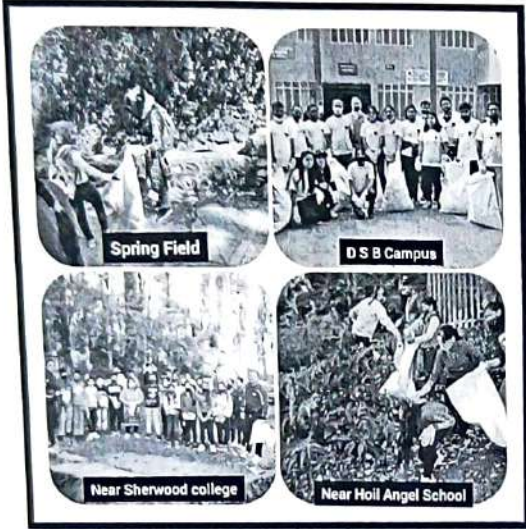
### **Cleanliness drive from Ranibagh to Nainital**

A clean and green environment is a basic ideology in sustainable development. A whole lot of diseases can be traced back to unhygienic environments and irresponsible waste disposal. Cleanliness is not social binding; it is rather responsibility of each and every citizen of the country. Thus, we have organized **Cleanliness Drive** towards a cleaner and greener environment, under **AMRITAM** project of NMHS to celebrate **Azadi Ka Amrit Mahotsav** on the occasion of **Nainital Clean Up Day**, through which we make people aware of the importance and methods of handling waste responsibly and try to take a step towards a cleaner environment. The cleanliness drive also further leads to internalizing and inculcating cleanliness as a matter of habit and routine.

As part of ‘Azadi Ka Amrit Mahotsav’ programme, a massive cleanliness drive was organized in Nainital district on 16th Sept 2021. The main purpose of this programme was to spread awareness among the people regarding cleanliness and its benefits. Under this programme seven locations were cleaned from Ranibagh to Nainital and special focus was laid on the cleanliness of water bodies and removal of waste from road sides. During the programme our team along with NPP and NGO interacted with the people and sensitized them about the importance of cleanliness. We also urged the people for proper utilization of dustbins. An awareness session regarding Covid-19 was also organized and it was stressed upon all to adhere to the Covid-19 SOPs in letter and spirit.



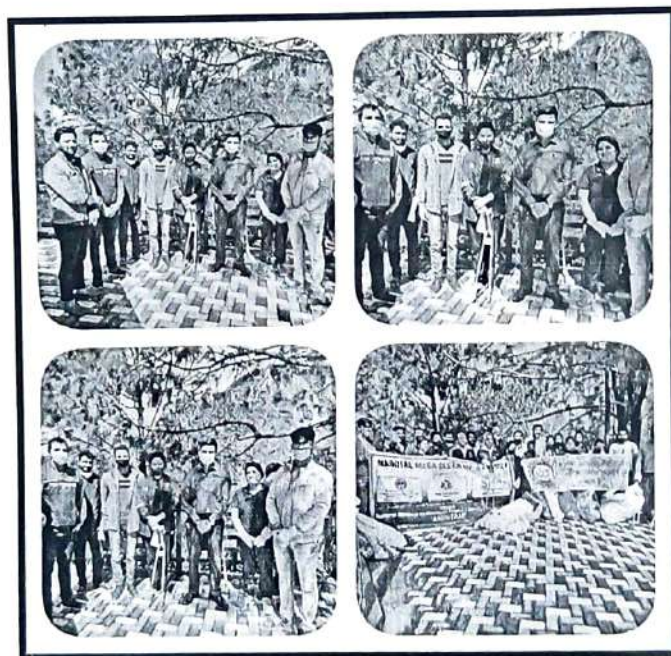
रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०बी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल



*Sahar*

रसायन विज्ञान विभाग  
जी०एस०बी० परिसर  
कुभायू विश्वविद्यालय नैनीताल

The main objective of this program was to spread the message of awareness among the native peoples that cleanliness is next to godliness, by way of sensitizing and educating the children, especially youth and tourists on various aspects of cleanliness and societal values. The drive was aimed to remove all the non-biodegradable wastes like plastic covers, plastic straws, rubber, and thermocouple. Before disposal, the plastic waste was segregated and sent for recycling and the rest of the garbage was collected by the Municipal Corporation to dumping yards. Many voluntary organizations like NPP and NGO (S<sub>3</sub> Foundation) also took part in the cleanliness drive. The cleanliness drive was conducted from Ranibagh to Nainital. We divided into several groups. Each group members were allocated with a particular area for cleaning. The groups were provided with gloves. They were asked to collect all bio degradable things such as dry leaves, twigs, papers and non-degradable wastes such as carry bags, plastic items etc. separately in different sacks. During the drives, due care, caution and safety measures are taken also followed Covid-19 guidelines. Mr. Prateek Jain (SDM Nainital) also gives their precious time to our cleanliness program and aware people about cleanliness, hygiene and sanitation and also praises us for doing novel work at such large scale.



#### Distribution of cloth bags, masks, sanitizers and other hygiene essentials

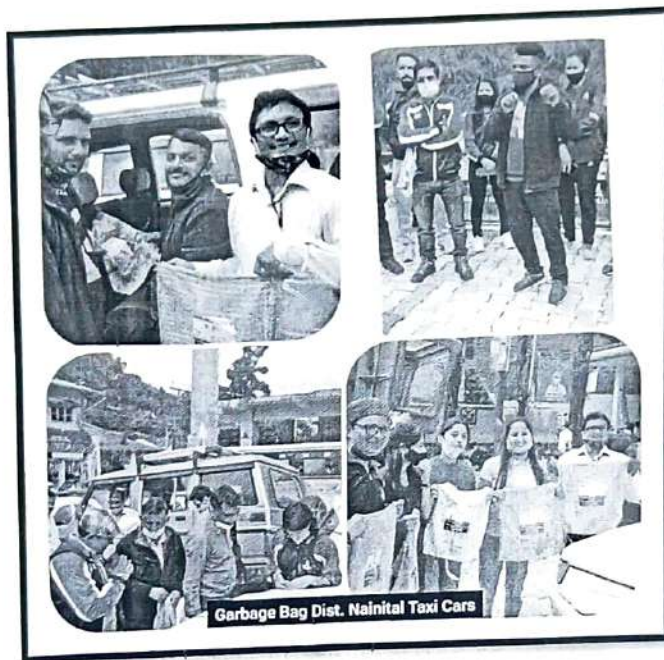
On the 6<sup>th</sup> day of Nainital mega clean up event, to spread the message of Swachhta and reducing use of single-use plastic, bags made of old waste clothes were distributed to the taxi

*Prateek Jain*

रसायन विज्ञान विभाग  
डी०एस०बी० परिसर  
कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल

drivers of Nainital at Sukhatal taxi stand. This programme was conducted in order to aware people about waste management and how to make our city clean and green. Each taxi driver was given a bag made from waste clothes so that they can place them in their taxies and when any tourist or other person will eat anything they can throw the waste in those bags. This will help in proper disposal of plastic waste. NPP also participated in this programme and communicate with local people about waste management, how AMRITAM project is working in removing solid waste from Nainital so that we can get pollution free environment.

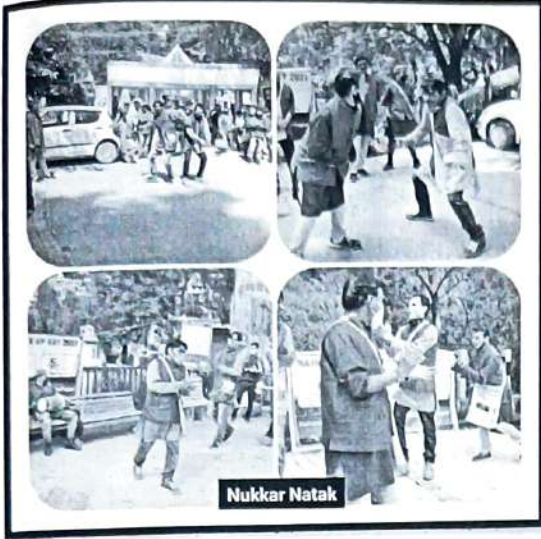
As part of the Swachhta Activities, on last day of the Nainital mega clean up event we distributed hand sanitizers, masks, gloves to the sanitation workers following all COVID protocols during the distribution.



### Street Play for Swachhta Awareness

To spread the swachhta awareness message among the native peoples, street play (nukkar natak) was organized through 10 members of an NGO in different locations of Nainital like Tallital rickshaw stand, Sukhatal taxi stand etc. to encourage people to join the event so that most people can get knowledge about harmful effects of waste and how much important it is to make our Nainital clean and beautiful.

*Balva*



### Swachhta awareness on social media handles

Project AMRITAM has also shared its Swachhta initiatives on its social media handles like Youtube, Facebook, Instagram, Whatsapp to spread awareness on the importance of cleanliness and hygiene, especially during pandemic period.

*Sawo*

रसायन विज्ञान विभाग  
 झी०एस०बी० परिसर  
 कुमायूँ विश्वविद्यालय नैनीताल